A–1055

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY(N)-221

होरा ज्योतिष

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. होरा शास्त्र पर विस्तृत लेख लिखिए।
2. ग्रहों के स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।
3. द्वादश भावों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. ज्योतिष शास्त्र में त्रिस्कन्ध का परिचय देते हुए प्रकाश डालिए।

5. सूर्य के कारकत्व वर्णन करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीयभावस्थ फल का उल्लेख करें।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. द्वादश राशियों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

2. ग्रहों की अवस्थाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

3. ग्रहों के मित्रामित्र का वर्णन करें।

4. बालादि पांच अवस्थाओं का विस्तार पूर्वक उल्लेख कीजिए।

5. षड्बल से आप क्या समझते हैं ? विस्तार पूर्वक उल्लेख कीजिए।

6. द्वादश भावों से विचाणीय विषयों का सविस्तार से वर्णन करें।

7. ग्रहों का फलादेश सम्बन्धी कारकत्व पर लेख लिखिये।

8. चन्द्रमा के कारकत्व वर्णन करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय भावस्थ फल का उल्लेख करें।

****